दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ & Fax : 0551-2334549
e-mail : digvijayans@gmail.com
: dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांकः 14.07.2021

समाचार स्वरूप प्रकाशनार्थ

दिनांक 14.07.2021 गोरखपुर। ''व्यक्ति द्वारा कृत कार्य की गुणवत्ता ही उसके पहचान का आधार बनती है। ऐसे में हमें समपर्ण भाव से निर्धारित दायित्वों का निवर्हन संस्था के वृहत्तर हित में करने का प्रयास करना चाहिए तथा विद्यार्थियों के सर्वागीण विकास पर फोकस करना चाहिए। उक्त बातें दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय के निवर्तमान प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित विभागीय विदाई समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने आगे कहा कि हमेशा परिस्थितियां हमारे अनुसार नही बनती बल्कि परिस्थितियों के अनुसार उन्हें समझते हुए सहयोग एवं समन्वय के साथ लोगों को जोड़ते हुए परिस्थितियों को अनुकूल बनाकर कार्य करने से दुरूह कार्य भी आसान हो जाता है तथा लक्ष्य की प्राप्ति सुनिश्चित हो जाती है।

उक्त अवसर पर विशिष्ट अतिथि श्री भगवान सिंह ने कहा कि आप ऐसे समाज की रचना करें जिसकी जीवन्तता बनी रहे। ऐसा न होने पर समाज हृदयहीन समाज की श्रेणी में परिवर्तित हो जाएगा। हम जैसा दिखते है वैसा ही अन्तःकरण हो जाय तो यह दुनिया बहुत सुंदर दिखेगा। उन्होंने कहा कि डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह एक ऐसे ऊर्जावान व्यक्तित्व के स्वामी हैं जिनका ऊर्जा समाज के लिए उपयोगी साबित होगी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. वीणा गोपाल मिश्रा ने कहा कि व्यक्ति सेवानिवृत्त होता है थकता नही है। डॉ. सिंह ने अपने आने वाले भविष्य के लिए जिन कार्यक्रमों का स्वप्न देखा होगा जो अभी तक अधूरे रह गए हों आज उन स्वप्नों को पूरा करने के लिए स्वयं में ऊर्जावान, दृढ़ संकल्पित और समर्पित हैं। आपका संकल्प पूरा होगा ऐसा मेरा विश्वास है। उन्होंने निवर्तमान प्राचार्य डॉ. सिंह के स्वास्थ्य एवं मंगलमय जीवन की कामना करते हुए कहा कि आप भविष्य में समाज से जुड़कर राष्ट्र और समाज को वह सब कुछ दे जिसके लिए आप समर्पित रहे हैं।

कार्यक्रम का संचालन कर रहे विभाग प्रभारी डॉ. राम प्रसाद यादव ने कहा कि डॉ. सिंह ने एक शिक्षक विभागाध्यक्ष एवं प्राचार्य के रूप में जो मानक स्थापित किए हैं वह हम सबके लिए अनुकरणीय है। यह हमारे विभाग का सौभाग्य है कि आपके नेतृत्व में महाविद्यालय का बहुमुखी विकास किया।

स्वागत भाषण श्री विकास कुमार पाठक द्वारा प्रस्तुत किया गया।

उक्त अवसर पर वनस्पति विज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. परीक्षित सिंह, आई.क्यू.ए.सी के समन्वयक डॉ. सत्यपाल सिंह, डॉ. विवेक शाही, श्री अनिल भास्कर, श्री भगवान सिंह, डॉ. संजीव सिंह, डॉ. पवन कुमार पाण्डेय, श्री दीपक साहनी आदि सहित विभाग के सभी छात्र/छात्राएँ उपस्थित रहें।

डॉ. (शैलेश कुमार सिंह)
प्रभारी, सूचना एवं जनसम्पर्क